

**परिचारी वि.** (तत्.) 1. भ्रमण करने वाला, टहलने वाला 2. सेवा करने वाला, चाकर **स्त्री.** (तत्.) दासी, सेविका, लौंडी।

**परिचार्य वि.** (तत्.) सेवा करने योग्य, जिसकी सेवा करना उचित हो।

**परिचालक वि.** (तत्.) 1. चलाने वाला, चलने की प्रेरणा देने वाला 2. किसी कार्य को आगे बढ़ाने या जारी रखने वाला 3. चारों ओर घुमाने वाला 4. हिलाने वाला, गति देने वाला।

**परिचालकता स्त्री.** (तत्.) परिचालन करने की क्रिया, भाव अथवा शक्ति।

**परिचालन पुं.** (तत्.) 1. चलाना, चलने हेतु प्रेरित करना 2. कार्य का निर्वाह करना, किसी कार्य को जारी रखना 3. हिलाना, गति देना।

**परिचालित वि.** (तत्.) 1. चलाया हुआ, जिसका परिचालन किया गया हो 2. निर्वाह किया हुआ, जारी रखा हुआ 3. हिलाया हुआ, जिसे गति दी गई हो।

**परिचिंतन पुं.** (तत्.) 1. स्मरण करना 2. चिंतन करना, विचार करना।

**परिचित वि.** (तत्.) 1. जिससे जान-पहचान हो, जिससे परिचय हो चुका हो, जाना-पहचाना हुआ, ज्ञात जैसे- इस विषय से मैं परिचित हूँ 2. ऐसा व्यक्ति जो किसी को जान चुका हो, जो परिचय प्राप्त कर चुका हो जैसे- अध्यापक अपने शिष्य के स्वभाव से पूर्णतः परिचित है 3. जान-पहचान रखने वाला, मिलने-जुलने वाला जैसे- मेरे परिचित लोगों का दायरा बहुत बड़ा है 4. एकत्रित या इकट्ठा किया हुआ, संचित, ढेर लगा हुआ पुं. जैन दर्शन के अनुसार एक स्वर्गीय आत्मा जो दो बार या एकाधिक बार किसी चक्र में आ चुकी हो 6. अभ्यास, किसी कार्य को बार-बार करना।

**परिचिति स्त्री.** (तत्.) 1. परिचित होने की अवस्था, भाव 2. परिचय, ज्ञान, अभिज्ञाता, जानकारी, जान-पहचान।

**परिचिह्नित वि.** (तत्.) हस्ताक्षर युक्त, जिस पर हस्ताक्षर किया गया हो।

**परिचुंबन पुं.** (तत्.) प्रेमपूर्वक चुंबन, स्नेहपूर्ण चुंबन करना या लेना।

**परिचुंबित वि.** (तत्.) अतिशय प्रेम के साथ चुंबन लिया गया, चूमा हुआ।

**परिचेय वि.** (तत्.) 1. परिचय योग्य, जान-पहचान करने योग्य 2. एकत्र करने योग्य, ढेर लगाने योग्य, संचय करने योग्य 3. खोज करने के योग्य।

**परिच्छंद पुं.** (तत्.) अनुचर, साथ में या पीछे चलने वाला, नौकर।

**परिच्छद पुं.** (तत्.) 1. किसी वस्तु को ढकने या छिपाने वाला कपड़ा, ढकने वाली वस्तु, पट या वस्त्र जैसे- तकिए का गिलाफ, लिहाफ का खोल आदि 2. वस्त्र, पोशाक, पहनावा 3. राजचिह्न, राजा के बाह्य उपकरण, वस्त्र और आभूषण 4. परिजन, कुटुंब, परिवार 5. सामान 6. प्रांत, प्रदेश।

**परिच्छन्न वि.** (तत्.) 1. ढका हुआ, छिपा हुआ 2. वस्त्रयुक्त 3. साफ किया हुआ।

**परिच्छा स्त्री.** (तद्.) दे. परीक्षा।

**परिच्छिति स्त्री.** (तत्.) 1. सीमा, अवधि, हद, व्याप्ति का निर्धारण 2. दो पदार्थों को विभक्त कर भिन्न या अलग कर देना 3. विभाग 4. सूक्ष्म व्याख्या, यथार्थ व्याख्या, सटीक परिभाषा।

**परिच्छिन्न वि.** (तत्.) 1. परिच्छेद विशिष्ट, सीमायुक्त, परिमित, सीमित, मर्यादायुक्त, घिरा हुआ 2. विभक्त, विभाजित, भिन्न या अलग किया हुआ 3. जिसका उपचार किया गया हो, उपचारित।

**परिच्छेद पुं.** (तत्.) 1. विभक्त करने या काट कर बाँटने का भाव, टुकड़े करने का भाव, विभाजन 2. किसी ग्रंथ या पुस्तक का स्वतंत्र खंड या